नन्दीश्वरद्वीप पूजन

रचयिता - पं द्यानतराय जी कृत

प्रस्तुति - तत्वचर्चा

/Tatvacharcha

GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

स्थापना

सरब-परव में बड़ो अठाई परव है।
नंदीश्वर सुर जाहिं लेय वसु दरब है।।
हमें सकति सो नाहिं इहाँ करि थापना।
पूजें जिनगृह-प्रतिमा है हित आपना।।

ओं ह्रीं श्रीनंदीश्वरद्वीपे पूर्व-दक्षिण-पश्चिम-उत्तरदिक्षुविद्यमान द्विपंचाशज्जिनालयस्थ जिनप्रतिमासमूह! अत्र अवतर अवतर संवौषट्! (आह्वाननम्)

ओं ह्रीं श्रीनंदीश्वरद्वीपे पूर्व-दक्षिण-पश्चिम-उत्तरदिक्षुविद्यमान द्विपंचाशज्जिनालयस्थ जिनप्रतिमासमूह! अत्र तिष्ठ तिष्ठ ठ: ठ:! (स्थापनम्)

ओं ह्रीं श्रीनंदीश्वरद्वीपे पूर्व-दक्षिण-पश्चिम-उत्तरदिक्षुविद्यमान द्विपंचाशज्जिनालयस्थ जिनप्रतिमासमूह! अत्र मम सन्निहितो भव भव वषट्! (सन्निधिकरणम्)

Tatva charcha
Ek Shuruvaat
/Tatvacharcha
GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

(अवतार)

कंचन मणि मय भृंगार, तीरथ नीर भरा।
तिहुँ धार दयी निरवार, जामन मरन जरा।।
नंदीश्वर श्रीजिन धाम, बावन पूज करूं।
वसु दिन प्रतिमा अभिराम, आनंद भाव धरूं।।

ओं ह्रीं श्रीनंदीश्वरद्वीपे पूर्व-दक्षिण-पश्चिम-उत्तरदिक्षु द्विपंचाशज्जिनालयस्थ जिनप्रतिमाभ्य: जन्म-जरा-मृत्यु-विनाशनाय जलं निर्वपामीति स्वाहा।

Tatva charcha
Ek Shuruvaat

/Tatvacharcha
GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

Tatva charcha
Ek Shuruvaat

(अवतार)

भव तप हर शीतल वास, जो चंदन नाहीं।
प्रभु यह गुन कीजै साँच, आयो तुम ठाहीं।।
नंदीश्वर श्रीजिन धाम, बावन पूज करूं।
वसु दिन प्रतिमा अभिराम, आनंद भाव धरूं।।

ओं ह्रीं श्रीनंदीश्वरद्वीपे पूर्व-दक्षिण-पश्चिम-उत्तरदिक्षु द्विपंचाशज्जिनालयस्थ जिनप्रतिमाभ्य: भवताप-विनाशनाय चंदनं निर्वपामीति स्वाहा

/Tatvacharcha
GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

(अवतार)

उत्तम-अक्षत जिनराज, पुंज धरे सोहे।
सब जीते अक्ष समाज, तुम सम अरु को है।।
नंदीश्वर श्रीजिन धाम, बावन पूज करूं।
वसु दिन प्रतिमा अभिराम, आनंद भाव धरूं।।

ओं ह्रीं श्रीनंदीश्वरद्वीपे पूर्व-दक्षिण-पश्चिम-उत्तरदिक्षु द्विपंचाशज्जिनालयस्थ जिनप्रतिमाभ्य: अक्षयपद-प्राप्तये अक्षतान् निर्वपामीति स्वाहा

/Tatvacharcha
GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

(अवतार)

तुम कामविनाशक देव, ध्याऊँ फूलन सों।
लहुँ शील लच्छमी एव, छूटूं सूलन सों।।
नंदीश्वर श्रीजिन धाम, बावन पूज करूं।
वसु दिन प्रतिमा अभिराम, आनंद भाव धरूं।।

ओं ह्रीं श्रीनंदीश्वरद्वीपे पूर्व-दक्षिण-पश्चिम-उत्तरदिक्षु द्विपंचाशज्जिनालयस्थ जिनप्रतिमाभ्य: कामबाण-विध्वंसनाय पुष्पं निर्वपामीति स्वाहा

Tatva charcha
Ek Shuruvaat

/Tatvacharcha

GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

(अवतार)

नेवज इंद्रिय-बलकार, सो तुमने चूरा।
चरु तुम ढिंग सोहे सार, अचरज है पूरा।।
नंदीश्वर श्रीजिन धाम, बावन पूज करूं।
वसु दिन प्रतिमा अभिराम, आनंद भाव धरूं।।

ओं ह्रीं श्रीनंदीश्वरद्वीपे पूर्व-दक्षिण-पश्चिम-उत्तरदिक्षु द्विपंचाशज्जिनालयस्थ जिनप्रतिमाभ्य: क्षुधारोग-विनाशनाय नैवेद्यं निर्वपामीति स्वाहा

Tatva charcha
Ek Shuruvaat

/Tatvacharcha

GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

(अवतार)

दीपक की ज्योति प्रकाश, तुम तन माहिं लसे।
टूटे करमन की राशि, ज्ञान कणी दरसे।।
नंदीश्वर श्रीजिन धाम, बावन पूज करूं।
वसु दिन प्रतिमा अभिराम, आनंद भाव धरूं।।

ओं ह्रीं श्रीनंदीश्वरद्वीपे पूर्व-दक्षिण-पश्चिम-उत्तरदिक्षु द्विपंचाशज्जिनालयस्थ जिनप्रतिमाभ्य: मोहान्धकार-विनाशनाय दीपं निर्वपामीति स्वाहा

Tatva charcha
Ek Shuruvaat
/Tatvacharcha
GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

(अवतार)

कृष्णागरु धूप सुवास, दश दिशि नारि वरें।
अति हरष भाव परकाश, मानों नृत्य करें।।
नंदीश्वर श्रीजिन धाम, बावन पूज करूं।
वसु दिन प्रतिमा अभिराम, आनंद भाव धरूं।।

ओं ह्रीं श्रीनंदीश्वरद्वीपे पूर्व-दक्षिण-पश्चिम-उत्तरदिक्षु द्विपंचाशज्जिनालयस्थ जिनप्रतिमाभ्य: अष्टकर्म-दहनाय धूपं निर्वपामीति स्वाहा

Tatva charcha
Ek Shuruvaat
/Tatvacharcha
GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

(अवतार)

बहुविधि फल ले तिहुँ काल, आनंद राचत हैं।
तुम शिव फल देहु दयाल, तुहि हम जाचत हैं।।
नंदीश्वर श्रीजिन धाम, बावन पूज करूं।
वसु दिन प्रतिमा अभिराम, आनंद भाव धरूं।।

ओं ह्रीं श्रीनंदीश्वरद्वीपे पूर्व-दक्षिण-पश्चिम-उत्तरदिक्षु द्विपंचाशज्जिनालयस्थ जिनप्रतिमाभ्य: मोक्षफल-प्राप्तये फलं निर्वपामीति स्वाहा

/Tatvacharcha
GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

(अवतार)

यह अरघ कियो निज हेत, तुमको अरपतु हूँ।
द्यानत कीज्यो शिव खेत भूमि समरपतु हूँ।।
नंदीश्वर श्रीजिन धाम, बावन पूज करूं।
वसु दिन प्रतिमा अभिराम, आनंद भाव धरूं।।

ओं ह्रीं श्रीनंदीश्वरद्वीपे पूर्व-दक्षिण-पश्चिम-उत्तरदिक्षु द्विपंचाशज्जिनालयस्थ जिनप्रतिमाभ्य: अनर्घ्यपद-प्राप्तये अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा

Tatva charcha
Ek Shuruvaat

/Tatvacharcha

GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

Tatva charcha
Ek Shuruvaat

जयमाला

कार्तिक फागुन साढ़ के, अंत-आठ-दिन माँहिं।
नंदीश्वर सुर जात हैं, हम पूजें इह ठाहिं।।

/Tatvacharcha
GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

(लक्ष्मी)

एक सौ त्रेसठ कोडि जोजन महा।
लाख चौरासिया एक-दिश में लहा।।
आठमों द्वीप नंदीश्वरं भास्वरं।
भौन-बावन्न प्रतिमा नमूं सुखकरं।।

/Tatvacharcha
GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

(लक्ष्मी)

चार-दिशि चार अंजनगिरी राजहीं।
सहस-चौरासिया एक दिशि छाजहीं।।
ढोल सम गोल ऊपर तले सुन्दरं।
भौन-बावन्न प्रतिमा नमूं सुखकरं।।

/Tatvacharcha
GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

(लक्ष्मी)

एक इक चार दिशि चार शुभ बावरी।
एक इक लाख जोजन अमल-जल भरी।।
चहुँ दिशा चार वन लाख जोजन वरं।
भौन-बावन्न प्रतिमा नमूं सुखकरं।।

Tatva charcha
Ek Shuruvaat
/Tatvacharcha
GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

(लक्ष्मी)

एकसोल वापीन मधि सोल-गिरि दधिमुखं।
सहस दश महाजोजन लखत ही सुखं।।
बावरी कोण दो माँहि दो रतिकरं।
भौन-बावन्न प्रतिमा नमूं सुखकरं।।

Tatva charcha
Ek Shuruvaat
/Tatvacharcha
GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

(लक्ष्मी)

शैल-बत्तीस इक सहस जोजन कहे।
चार सोलै मिलैं सर्व बावन लहे।।
एक-इक सीस पर एक जिनमंदिरं।
भौन-बावन्न प्रतिमा नमूं सुखकरं।।

Tatva charcha
Ek Shuruvaat
/Tatvacharcha
GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

(लक्ष्मी)

बिंब अठ एक सौ रतनमयि सोहहीं।
देव देवी सरब नयन मन मोहहीं।।
पाँचसै धनुष तन पद्म-आसन परं।
भौन-बावन्न प्रतिमा नमूं सुखकरं।।

(लक्ष्मी)

लाल नख-मुख नयन श्याम अरु स्वेत हैं।
श्याम-रंग भौंह सिर-केश छवि देत हैं।।
वचन बोलत मनों हँसत कालुष हरं।
भौन-बावन्न प्रतिमा नमूं सुखकरं।।

/Tatvacharcha
GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

(लक्ष्मी)

कोटि-शशि-भानु-दुति-तेज छिप जात है।
महा-वैराग-परिणाम ठहरात है।।
वयन नहिं कहें, लखि होत सम्यक्धरं।
भौन-बावन्न प्रतिमा नमूं सुखकरं।।

ओं ह्रीं श्री नंदीश्वरद्वीपे पूर्व-दक्षिण-पश्चिम-उत्तरदिशु द्विपंचाशज्जिनालयस्थ जिनप्रतिमाभ्य: जयमाला-पूर्णार्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

/Tatvacharcha

GET IT ON Google Play /Tatvacharcha

Tatva charcha
Ek Shuruvaat

(सोरठा)

नंदीश्वर-जिन-धाम, प्रतिमा-महिमा को कहे।
'द्यानत' लीनो नाम, यही भगति शिव-सुख करे।।

इत्याशीर्वादः पुष्पांजलिं क्षिपेत्

/Tatvacharcha
GET IT ON Google Play /Tatvacharcha